आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 05 लखनऊ, शुक्रवार 07 मई से 13 मई, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

नवंबर-दिसंबर में आ सकती है कोरोना की तीसरी लहर, अभी से शुरू कर दें बचने के ये उपाय

नई दिल्ली। पूरा देश अभी कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से संघर्ष में लगा है. वहीं एक्सपर्ट ने अब तीसरी लहर को लेकर भी चौंकाने वाले दावे कर दिए हैं। जिसके अनुसार भारत में तीसरी लहर भी आएगी, लेकिन कब तक आएगी, इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। केंद्र सरकार के प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाइजर प्रोफेसर विजय राघवन ने बुधवार को कहा कि दूसरी लहर के बाद तीसरी लहर भी आएगी। उन्होंने कहा, तीसरी लहर भी आएगी, लेकिन कब आएगी और कितनी खतरनाक होगी, इसके बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। कोरोनावायरस के वैरिएंट लगातार बदल रहे हैं, इसलिए हमें तीसरी लहर के लिए भी तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए वैक्सीन प्रभावी है, वैज्ञानिक इसको

और अपग्रेड करने पर भी काम कर रहे हैं। तीसरी लहर के बारे में कर्नाटक में नेशनल कोविड टास्क फोर्स के मेंबर और एडवाइजर डॉ. गिरिधर बाबू का कहना है कि इसके ठंड में नवंबर के आखिरी में या दिसंबर की शुरुआत में आने की आशंका है। इसलिए इस संक्रमण से जिन्हें सबसे ज्यादा खतरा है, उन्हें जल्द से जल्द वैक्सीनेट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तीसरी लहर युवा आबादी को प्रभावित कर सकती है। उनका कहना है कि तीसरी लहर तीन फैक्टर पर निर्भर करती है। डॉ. बाबू का कहना है कि, हम दूसरी लहर से जैसे ही निकलते हैं, वैसे ही हमें स्थायी समाधान लागू करने की जरूरत है। हमें संक्रमण और मौतों को कम करने के लिए एक एग्रेसिव स्ट्रेटजी बनाने की जरूरत है। हमें टेस्टिंग की सुविधा बढ़ानी होगी। एक मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करना होगा।

आरएलडी अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह का कोरोना से निधन, आज सुबह ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख चौधरी अजीत सिंह का आज सुबह मेदांता अस्तपताल में निधन हो गया है. ८२ साल के अजीत सिंह कोरोना संक्रमण के कारण गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती थे. अजित सिंह २२ अप्रेल को कोरोना पजिटिव पाए गए थे. उसके बाद से ही उनके लंग्स में वायरस तेजी से फैल गया. मंगलवार रात से ही उनकी हालत काफी नाजुक बनी हुई थी. उनकी मौत की खबर से राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है. जाट समुदाय के लोकप्रिय नेता होने के कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक दर्जन से ज्यादा जिलों में वो काफी लोकप्रिय थे. चौधरी अजीत सिंह ने ७ बार लोकसभा चुनाव जीता था. साथ यूपीए सरकार में केंद्र में एविएशन मिनिस्टर तक रहे. राष्ट्रीय लोक दल के नेता अजीत सिंह का जन्म १२ फरवरी १९३९ को मेरठ में हुआ था और वे पूर्व प्रधानमंत्री और देश के बड़े किसान नेता चौधरी चरण सिंह के बेटे थे. उनको राजनीति अपने पिता पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से विरासत में मिली थी। मौजूदा समय में वे किसान नेताओं के बड़े नेताओं में शुमार थे. चौधरी अजीत सिंह ने आखिरी बार २०१९ का लोकसभा चुनाव बागपत से लड़ा था, जो वो मामूली वोटों के अंतर से हार गए थे। चौधरी अजीत सिंह का राजनीतिक सफर करीब ३५ साल का रहा है। उनके निधन पर समाजवादी पार्टी और बीजेपी समेत तमाम राजनीतिक दलों ने शोक

जताते हुए इसे भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति बताया है. उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने आरएलडी के अध्यक्ष चौधरी अजीत सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है.राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रेषित की है. समाजवादी पार्टी ने ट्वीट कर लिखा, 'राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह जी का निधन, अत्यंत दुखद! आपका यूं अचानक चले जाना किसानों के संघर्ष और भारतीय राजनीति में कभी ना भरने वाली जगह छोड़ गया है। शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना! दिवंगत आत्मा को शांति दे भगवान।

ऑक्सीजन खत्म होने की अफवाह फैलाने के चलते लखनऊ के इस बड़े अस्पताल के खिलाफ केस दज

लखनऊ। विभूति खंड स्थित सन हॉस्पिटल के निदेशक अखिलेश पांडे सहित कई अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन सिलेंडर होने के बावजूद गेट पर नोटिस चस्पा कर लोगों को भ्रमित किया जा रहा था। जिसके बाद सीएचसी चिनहट के अधीक्षक डॉ सुरेश पांडे की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। डीएम अभिषेक प्रकाश ने गोमतीनगर स्थित सन अस्पताल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। अस्पताल पर ये भी आरोप हैं कि ऑक्सीजन न होने की अफवाह फैलाकर पहले तो मरीजों की भर्ती नहीं की जा रही थी और फिर मनमाने तरीके से उगाही करने का प्रयास जा रहा था। इसकी जानकारी होने पर डीएम अभिषेक प्रकाश ने एसडीएम सदर को जांच का आदेश दिया था। एसडीएम सदर प्रफुल्ल त्रिपाठी की जांच में सामने आया कि अस्पताल के पास ऑक्सीजन का पर्याप्त स्टाक था। इसके बावजूद संचालक ने अपने फायदे और मरीजों से वसूली करने के चक्कर में अस्पताल के बाहर नोटिस चस्पा किया और सोशल मीडिया पर अक्सीजन की कमी की सूचना वायरल कर दी। जिसके बाद इस मामले में इस तरह की कार्रवाई की गई है।

एकेटीयू को मिली ऑक्सीजन ऑडिट की जिम्मेदारी

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि (एकेटीयू) एकेटीयू को लखनऊ के आठ शासकीय और निजी मेडिकल संस्थानों को ऑक्सीजन आपूर्ति एवं खपत के सम्बन्ध में सूचना संकलित करने एवं ऑक्सीजन अडिट के लिए नामित किया गया है। इन आठ संस्थानों में एसजीपीजीआई, आरएमएलआईएमएस, केजीएमयू, इरा मेडिकल कॉलेज, कैरियर मेडिकल कालेज, इंटीग्रल मेडिकल इंस्टीट्यूट, प्रसाद मेडिकल इंस्टीट्यूट और टीएसएम मेडिकल इंस्टीट्यूट शामिल है। चिकित्सा संस्थानों में ऑक्सीजन आपूर्ति के ऑडिट के लिए एकेटीयू ने काम शुरू कर दिया है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मुताबिक इस काम के लिए विवि के सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज के डॉ. अनुज कुमार शर्मा एवं आईईटी के डॉ. पवन कुमार तिवारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। विवि द्वारा रोजाना इन संस्थानों की ऑक्सीजन आपूर्ति एवं खपत के संबंध में सूचना एकत्र कर आईआईटी कानपुर को उपलब्ध करवाई जाएगी। आईआईटी कानपुर द्वारा तैयार एप के जरिए फिर पूरे प्रदेश के संस्थानों की ऑक्सीजन आपूर्ति का विश्लेषण करके प्रदेश सरकार को जानकारी दी जाएगी। गौरतलब है कि पहले चरण में प्रदेश के ५४ चिकित्सा संस्थानों की ऑक्सीजन आडिट करवाई जा रही है। इसमें आईआईटी कानपुर के साथ आईआईएम लखनऊ, एकेटीयू, आईआईटी बीएचयू, एमएमटीयू गोरखपुर, एमएनआईटी प्रयागराज मिलकर काम कर रहे हैं।

रालोद नेता चौधरी अजित सिंह के निधन पर सीएम योगी समेत यूपी के इन दिग्गज नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के अध्यक्ष तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौधरी साहब जुझारू किसान नेता एवं समाजसेवी एवं वरिष्ठ राजनेता थे। उन्होंने चौधरी अजित सिंह की आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है वहीं समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव व बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने भी चौधरी अजित सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

सम्पादकीय

टीकाकरण कैसे संभव होगा..?

फाइजर कंपनी ने अपने कोरोना वैक्सीन के सात करोड़ डोज भारत को देने का फैसला किया है। कंपनियां ऐसी उदारता दिखाएं, तो कम से कम उन देशों को तुरंत राहत मिल सकती है, जहां कोरोना वायरस ने तबाही मचा रखी है। लेकिन यह समस्या का समाधान नहीं है। विशेषज्ञों ने अपनी ये राय बार–बार दोहराई है कि कोरोना वायरस पर काबू पाने का एकमात्र उपाय पूरी दुनिया में सबका टीकाकरण है। सवाल है कि ये कैसे संभव होगा? क्या बड़े पैमाने पर वैक्सीन का उत्पादन हुए बिना दुनिया में सबको टीका लगाना संभव है? ऐसा नहीं हुआ, जिन्होंने टीका लगवाया है, वायरस के लगातार हो रहे म्यूटेशन के कारण उनकी सुरक्षा भी जाती रहेगी। असल मुद्दा विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) के तहत कोरोना वैक्सीन पर से पेटेंट हटाने या स्थगित करने का है। अगर पेटेंट यानी बौद्धिक संपदा अधिकार को हटा दिया जाए, तो जिस फॉर्मूले से कंपनियों ने वैक्सीन तैयार किए हैं, उसकी तकनीक और उन वैक्सीन को बनाने का ज्ञान उन्हें अलग–अलग देशों की वैक्सीन निर्माता कंपनियों से साझा करना होगा। उससे इन वैक्सीन के डोज ज्यादा बड़ी संख्या में और सस्ती दरों तैयार किए जा सकेंगे। लेकिन कंपनियां इस मांग का पुरजोर विरोध कर रही हैं। अमेरिका में उन्होंने इसके खिलाफ लबिंग में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। इसके लिए वे लाखों डलर खर्च कर रही हैं। ऐसे में ये सवाल उठना लाजिमी है कि फाइजर ने अब उदारता दिखाई है, वह सचमुच उदारता है या पेटेंट हटाने की दुनिया में मजबूत हो रही मांग को भोथरा करने की एक चाल है? दुनिया में इस समय वैक्सीन डोज की बेहद कमी है। जबकि जो डोज फाइजर–बायोएनटेक, मॉडेरना, जॉनसन एंड जॉनसन और एस्ट्रा जेनिका कंपनियों ने बनाए हैं, उनके ज्यादातर हिस्से पर धनी देशों ने कब्जा कर लिया है। जबकि कोरोना महामारी की नई लहर से भारत सहित कई देश परेशान हैं। बढ़ते मामलों के कारण टर्की को पिछले हफ्ते पहली बार लॉकडाउन लगाना पड़ा। उधर ईरान में एक दिन में सबसे ज्यादा मामले सामने आने का रिकॉर्ड बना है। ब्राजील में बड़ी संख्या में नए संक्रमण और मौतों पर काबू पाना मुश्किल बना हुआ है। दरअसल, समस्या तो पेटेंट हटने के बाद भी बनी रहेगी। इसलिए कि वैक्सीन उत्पादन की क्षमता सीमित देशों के पास ही है। बहरहाल, इससे दुनिया की लगभग आठ अरब आबादी के पूरे टीकाकरण का रास्ता खुलेगा।

रोडवेज बसों में कम हुए यात्री

लखनऊ। सप्ताह में पांच दिन जनता कर्फ्यू लगने की वजह से राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर से चलाई जा रही रोडवेज बसों में दैनिक यात्रियों की संख्या

कम हो गई है। ऐसे में फुटकर सवारियों को अब एक बस में कम से कम २५ यात्रियों का इंतजार करना पड़ेगा। तभी बस अड्डे से बसें रवाना होंगी। ये बसें हाइवे से न होकर बल्कि शहर के भी सभी बस स्टेशनों से गुजरेंगी। साथ ही ३०० किलोमीटर के लंबे सफर पर ५० फीसदी यात्री लोड फैक्टर होने पर बसें जाएंगी। वरना, यात्री आभाव में बसों को रद्द कर दिया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधा की ओर से लखनऊ परिक्षेत्र के सभी बस डिपो को दिशा निर्देश भेज दिया गया है। यात्री लोड फैक्टर की समीक्षा बैठक में ५० फीसदी से कम यात्री ढोहने पर चालक–परिचालक समेत डिपो के प्रभारी जिम्मेदार होंगे। वहीं ट्रेन से आने वाले श्रमिकों को दूसरे जनपदों तक ले जाने में भी यात्री लोड फैक्टर का ख्याल रखना होगा। श्रमिक स्पेशल बसों में भी २५ से कम लोगों को लेकर नहीं ले जा सकेंगे। इससे कम श्रमिक होंगे तो दूसरी बसों में शिफ्ट करके भेजा जाएगा।

यूपी में 15 मई तक बंद रहेंगे सभी उच्च शिक्षण संस्थान

लखनऊ। कोरोना महामारी के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के सभी उच्च शिक्षण संस्थान(सरकारी और निजी महाविद्यालय) १५ मई तक बंद रहेंगे। इस दौरान कैम्पस में किसी भी शिक्षक, छात्रध्छात्राओं अधिकारी और कर्मचारी की उपस्थिति नहीं रहेगी। इतना ही नहीं इस अवधि में अनलाइन कक्षाएं भी स्थगित रहेंगी। इस संबंध में शासन की तरफ से विशेष सचिव मनोज कुमार ने सभी राज्य और निजी महाविद्यालयों के कुलपति को पत्र भेजकर आदेश से अवगत कराया है।

कोविड–१९ समीक्षा के दौरान सीएम योगी ने कहा पुलिस द्वारा किसी प्रकार के उत्पीड़न किये जाने की शिकायत न आये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में सामुदायिक भोजनालयों के संचालन की जरूरत पर जोर देते हुए मंगलवार को निर्देश दिए कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा ना रहे। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने कोविड–१९ महामारी के प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कहा कि आंशिक कोरोना कर्फ्यू के कारण कहीं भी किसी श्रमिक, ठेला, रेहड़ी व्यवसायी, दिहाड़ी मजदूर को भोजन की समस्या न हो, ऐसे में 'सामुदायिक भोजनालयों' के संचालन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कृषि उत्पादन आयुक्त स्तर से इस संबंध में आवश्यक प्रयास किए जाएं। औद्योगिक इकाइयों में भोजन का आवश्यकतानुसार प्रबन्ध रहे। कोई भी व्यक्ति भोजन के अभाव में परेशान न हो, इसे सुनिश्चित किया जाए।" योगी ने कहा कि कोरोना संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए सरकार लगातार जरूरी कदम उठा रही है। वर्तमान में छह मई सुबह सात बजे तक आंशिक कोरोना

कर्फ्यू प्रभावी है और इस अवधि में आवश्यक और अनिवार्य सेवाएं सतत जारी रखी जाएं। मुख्यमंत्री ने घरों में रहकर इलाज करा रहे कोविड–१९ संक्रमित मरीजों को अक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था बनाते हुए आदेश दिए कि सभी जिलों में एक–एक ऑक्सीजन रीफिलर को घर में पृथक–वास के मरीजों को आपूर्ति करने के लिए नामित किया जाए। अगर किसी मरीज के परिजन सिलिंडर रीफिलिंग के लिए प्रयासरत हों तो उनकी मदद की जाए। पुलिस द्वारा उनके किसी प्रकार के उत्पीड़न किये जाने की शिकायत न आये। योगी ने कोविड बेड बढ़ाए जाने के सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि लखनऊ में एचएएल द्वारा २५० बेड का अस्पताल जल्द ही क्रियाशील ही जायेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यहां के लिए मानव संसाधन की व्यवस्था कराई जाए। इसी तरह लखनऊ और वाराणसी में डीआरडीओ के सहयोग से सभी सुविधाओं से युक्त नया कोविड अस्पताल भी तैयार किया गया है। केजीएमयू में १४० बेड और बढ़ाए जाएंगे। लखनऊ में ही कैंसर अस्पताल में विशेष कोविड डेडिकेटेड अस्पताल क्रियाशील हो रहा है।

अवध शिल्प ग्राम में ७०० बेड़ों पर कोरोना के मरीजों की भर्ती शुरू

लखनऊ। राजधानी में कोरोना संक्रमित मरीजों की भर्ती के लिए बुधवार से ७०० नए बेड़ों पर भर्ती शुरू कर दी गई हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अवध शिल्प ग्राम में आज डीआरडीओ की ओर से संचालित इस कोविड अस्पताल का लोकार्पण किया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह वर्चुअली इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। लखनऊ के शिल्पग्राम स्थित इस अस्पताल का सारा मेडिकल सपोर्ट सेना और वायुसेना के डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ देखेंगे। बाकी मैनेजमेंट का काम राज्य सरकार के कर्मचारियों के जिम्मे होगा इस अस्पताल में रजिस्ट्रेशन के माध्यम से आईसीयू और वेंटिलेटर वाले बेड्स मिलेंगे। यूपी सरकार ने १४ वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों की कमेटी गठित की है प्रदेश भर के आला चिकित्सा अधिकारियों को कमेटी में शामिल किया गया है। लखनऊ के केजीएमयू, पीजीआई, लोहिया संस्थान, अटल चिकित्सा विश्वविद्यालय, मेदांता, बीएचयू, नोएडा एसएसपीएच, आईएमए

प्रदेश अध्यक्ष, स्टेट सर्विलांस अफिसर, डीजी हेल्थ इस कमेटी में शामिल हैं। निदेशक स्तर के चिकित्सा अधिकारी यूपी सरकार को कोरोना से निपटने की सलाह देंगे। कमेटी के सदस्य अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों को भी साथ में शामिल कर सकते हैं उच्च स्तरीय चिकित्सा अधिकारियों की कमेटी के रोकथाम और इलाज के उपायों को लागू कराया जाएगा। प्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट हो रही है, लेकिन मौत का ग्राफ थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को ३५२ कोरोना संक्रमितों की मौत होग गई। यह अब तक का सबसे बड़ा ग्राफ है। इससे पहले ३० अप्रैल को ३३२ लोगों की मौत हुई थी। वहीं प्रदेश में २५८५८ नए मामले सामने आए थी जबकि ठीक होने के बाद ३८६८३ को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया।

7 मई को होने वाली अलविदा की नमाज को लेकर एडवाइजरी जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना का प्रकोप लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच लोगों की भीड़ जुटने पर सख्त रोक लगाई गई है। वहीं अब इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगीमहली ने ७ मई को होने वाली अलविदा की नमाज को लेकर एडवाइजरी जारी की है। मौलाना ने कहा की अलविदा की नमाज भी कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए ही अदा करी जाए और मस्जिद में सिर्फ ५ ही लोग सोशल डिस्टेंसिंग के साथ अलविदा की नमाज पढ़ें। उन्होंने लोगों से अपील की कि ज्यादातर लोग अपने घरों में रहकर ही अलविदा की नमाज पढ़ें और दुआ करें कि भारत से जल्द से जल्द कोविड–१९ का संक्रमण खत्म हो जाए। मौलाना ने यह भी बताया की अलविदा के मौके पर लोग एक दूसरे से में गले ना मिलें न ही हाथ मिलाएं बल्कि अपने–अपने घरों में रहकर ही इबादत करें। एडवाइजरी में मौलाना खालिद रशीद ने घर में अलविदा की नमाज पढ़ने का तौर तरीका भी बताया। प्रदेश में सोमवार को २९ हजार १९२ नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं साथ ही २८८ लोगों की कोरोना के कारण मौत हो गई है। वहीं ३८ हजार ६८७ ने कोरोना को हराने में कामयाबी हासिल की है। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के २ लाख ८५ हजार ८३२ एक्टिव केस हैं। राजधानी लखनऊ में सोमवार को यहां ३०५८ लोग वायरस की चपेट में आए हैं। इसके अलावा ५,६८६ लोग ठीक हुए। इस दौरान २६ की मौत हो गई। सबसे ज्यादा संक्रमित आलमबाग, इंदिरानगर, अलीगंज क्षेत्र में मिले हैं।

मुख्यमंत्री योगी को मिली जान से मारने की धमकी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक बार फिर से जान से मारने की धमकी मिली है। यूपी पुलिस कंट्रोल रूम के व्हाट्सएप नंबर पर यह धमकी दी गई है। धमकी भेजने वाले ने चुनौती दी है कि चार दिन में जो कर सकते हो कर लो। इस मामले के सामने आने के बाद से लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। साथ ही पुलिस टीम को अलर्ट कर दिया गया है। वहीं नंबर की जांच कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते गुरुवार यानि २६ अप्रैल को देर शाम यूपी पुलिस के आपातकाल सेवा डायल ११२ व्हाट्स एप नंबर पर किसी संदिग्ध व्यक्ति ने संदेश भेजते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने

की धमकी दी। आरोपी ने अपने धमकी भरे मेसेज में लिखा था कि वह सीएम योगी को ५ वें दिन जान से मार देगा, इसके साथ ही आरोपी ने मैसेज में यह भी लिखा कि अगले चार दिन में मेरा जो कर सकते हो कर लो'। सूबे के मुख्यमंत्री के लिए धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन फानन में धमकी देने वाले नम्बर की जांच करने के साथ सर्विलांस टीम की मदद से नम्बर को ट्रेस किया गया, लेकिन अभी तक आरोपी से जुड़ी कोई खास जानकारी पुलिस के हाथ नहीं लगी है। हालांकि, संदिग्ध के खिलाफ लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी में कंट्रोल रूम डायल ११२ के आपरेशन कमांडर अंजुल कुमार की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके साथ ही आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम गठित की गई है, जो सर्विलांस सेल की मदद लेकर आरोपी को अरेस्ट करने में जुट गई हैं।

पत्रकारों और उनके परिवारों को फ्री में लगेगी कोरोना वैक्सीन

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने कोरोना वैक्सीन को लेकर बड़ा फैसला किया है। उत्तर प्रदेश सरकार के ताजा फैसले के तहत राज्य में अब पत्रकारों और उनके परिवारों को फ्री में कोरोना वैक्सीन लगेगी। उत्तर प्रदेश अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश में पत्रकारों के लिए अलग वैक्सिनेशन सेंटर बनाए जाएंगे। पत्रकारों को प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन लगाई जाएगी। साथ ही मीडिया दफ्तरों में भी कोरोना वैक्सीन लगेगी। वैश्विक महामारी कोरोना की दूसरी लहर घातक होने के बाद इससे उबारने के लिए राज्य स्तर पर विशेषज्ञों के सलाहकार पैनल गठित करने का मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया है। यह टीम ६ को समय समय परामर्श देगी। इसमें एसजीपीजीआई, केजीएमयू, अटल बिहारी वाजपेयी, आरएमएल इंस्टीट्यूट जैसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संसाधनों के डॉक्टर सलाहकार समिति में शामिल होंगे। मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने

बताया कि पहले चरण में १ करोड़ टीका मिला है जिसे उन शहरों में लगाया जा रहा है जहां एक्टिव केसेस की संख्या नौ हजार से अधिक है। पहले चरण में जिन सात शहरों में टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है उनमें राजधानी लखनऊ के साथ कानपुर नगर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, मेरठ और बरेली शामिल हैं।

आक्सीजन सिलिंडरों की कालाबाजारी, ११५ आक्सीजन सिलिंडर बरामद

लखनऊ। जानकीपुरम विस्तार के सेक्टर सात में मकान नंबर ७/६८० से पुलिस ने मंगलवार को ११५ आक्सीजन सिलिंडर बरामद किए थे। मकान नीलिमा भट्ट का है, जो विदेश में रहती हैं। मकान में नीलिमा की बहन का बेटा करन भारद्वाज रहता है, जो कालाबाजारी कर रहा था। एसीपी अलीगंज अखिलेश कुमार सिंह के मुताबिक आरोपित करन स्नातक तक पढ़ा है। वह ईएस१ बी/४६० सेक्टर ए सीतापुर रोड का रहने वाला है। एसीपी ने बताया कि करन एक माह से कालाबाजारी कर रहा था। आरोपित ने नौ से ११ हजार में एक सिलिंडर खरीदा था, जिसे वह ३५ से ४० हजार रुपये में जरूरतमंदों को बेच रहा था। अब तक की पड़ताल में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि करन ने कहां से इतने सिलिंडर खरीदे थे। बाजार में करीब १७ हजार में नया आक्सीजन सिलिंडर बिक रहा है। इस काम में दुबग्गा निवासी नेकराम उसका सहयोग करता था। करन डाले में सिलिंडर लदवाकर नेकराम से जगह–जगह सप्लाई करवाता था। पुलिस की ओर से दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी, औषधि प्रसाधन सामग्री अधिनियम, आपदा प्रबंधन अधिनियम व महामारी अधिनियम के तहत एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई की गई है। गौरतलब है कि मंगलवार को जानकीपुरम पुलिस ने ११५ ऑक्सीजन सिलिंडरों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपित जरूरतमंदों से मुनाफा कमाकर उन्हें महंगे दाम में बेच रहे थे। कालाबाजारी की वजह से तीमारदारों को समस्या का सामना करना पड़ रहा था। एसीपी अलीगंज अखिलेश सिंह के मुताबिक आरोपितों को भिठौली क्रासिंग चौराहे से एकेटीयू जाने वाली सड़क से पकड़ा गया। आरोपित मडियांव निवासी करन भारद्वाज और काकोरी निवासी नेकराम से पूछताछ की गई तो उन्होंने काफी महंगे दाम में लोगों को आक्सीजन सिलिंडर बेचने की बात कबूल की।

अमौसी एयरपोर्ट पर कस्टम ने पकड़ा ६४ लाख का सोना

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दुबई से आये दो यात्रियों के पास से कस्टम विभाग की टीम ने ६४.६८ लाख रुपए का सोना पकड़ा। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई ६३६ से आये यात्रियों की कस्टम विभाग की टीम स्क्रीनिंग कर रही थी। इस बीच कस्टम उपायुक्त निहारिका लाखा को एक महिला और एक पुरुष यात्री पर शक हुआ। उनसे पूछताछ की गई तो उनके पास १३१२ ग्राम सोना मिला। जिसकी कीमत ६४.६८ लाख रुपए है। दरअसल पिछले कई दिनों से लखनऊ एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम अलर्ट पर है। यहां पर बरती जा रही सख्ती के कारण आये दिन तस्कर पकड़े जा रहे हैं। बुधवार को दुबई से आई फ्लाइट में महिला और पुरुष यात्री पर शक होने पर उनकी जांच की गई। इस दौरान उनके अंतरूवस्थ्त्रों से काले सेलो टेप में पेस्ट को ढक्ध्कर सोना छुपाकर रखा मध्लिा। पिछले दिनों कोलकाता की रहने वाली एक महिला के पास से १.३० करोड़ रुपए का सोना मिला था। यह सोना पेस्ट बनाकर महिला अपने अंतःवस्त्र में छिपाकर लायी थी। जबकि इसके बाद भी एक और महिला भी इसी तरह सोना लेकर लखनऊ पहुंचने पर पकड़ी गई थी। वही लाखों रुपए के सोने के बिस्कुट को एयरपोर्ट पर सख्ती के डर से तस्कर विमान में ही छोड़ गया था।। विमान की सिक्योरिटी क्लियरेंस के दौरान यह सोना लावारिस हालत में बरामद हुआ था।

कोरोना कर्फ्यू में आवश्यक वस्तुओं की जारी रहेगी आपूर्ति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेकाबू कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए योगी सरकार ने वीकेंड कोरोना कर्फ्यू यानी लॉकडाउन को १० मई सुबह सात बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इस दौरान आवश्यक सेवाएं और वस्तुओं की आपूर्ति पूर्व की भांति ही जारी रहेगी। कंटेनमेंट जोन में केवल डोर–स्टेप डिलीवरी व्यवस्था ही आपूर्ति होगी। इतना ही नहीं जिलों के भीतर और अन्य जिलों में आवागम के लिए जिला प्रशासन की तरफ से ई–पास जारी किया जाएगा। प्रदेश से बाहर की बस सेवा पर प्रतिबंध रहेगा। शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में मास्क का उपयोग करना अनिवार्य किया गया है। इस नियम का पालन नहीं करने पर पहली एक हजार रुपये जुर्माना और दूसरी बार अधिकतम दस हजार रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा।बेकाबू कोरोना संक्रमण पर लगाम कसने के लिए सरकार अब धीरे–धीरे सख्ती बढ़ा रही है। दो दिन की साप्ताहिक बंदी को तीन दिन और फिर पांच दिन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार की बंदी को १० मई सुबह सात बजे तक के लिए बढ़ा दिया है। इस अवधि में स्वास्थ्य संबंधी कार्यों के लिए पूरी छूट रहेगी। औद्योगिक गतिविधियां, ई–कमर्स से संबंधित कार्य यथावत चलते रहेंगे।वीकेंड कोरोना कर्फ्यू के दौरान राशन वितरण और टीकाकरण का कार्य सुचारु रूप से जारी रहेगा। ऐसे लोगों को रोका नहीं जाएगा। विशेष परिस्थितियों के लिए ई–पास की व्यवस्था लागू की गई है। लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले मालवाहक वाहनों को पहले की तरह बिना रोक टोक के आने जाने की सुविधा होगी। बाजार, साप्ताहिक बाजार आदि बंद रहेंगे। दूध, सब्जी, परचून और मेडिकल स्टोर की दुकानें खुली रहेंगी। अस्पताल व अन्य चिकित्सीय संसथान खुले रहेंगे। इनमें काम करने वाले डक्टर्स व अन्य मेडिकल स्टाफ बिना रोक टोक आ जा सकेंगे। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया और इंटरनेट मीडिया से जुड़े व्यक्तियों को ई–पास से छूट मिलेगी।

मामूली विवाद के बाद गाली गलौच, विरोध करने पर पीटा

लखनऊ। आलमबाग के ओमनगर वार्ड के चंदर नगर मण्डी में सफाई कर रहे सफाई कर्मचारी से वहीं के एक दुकानदार ने मामूली विवाद के बाद गाली गलौच की,विरोध करने पर पीटा और जान से मारने की धमकी दी, जिसमें कर्मचारी को चोट आई है,पीड़ित ने इसकी जानकारी जोन ५के जोनल अधिकारी को दी,आरोप है कि पुलिस द्वारा कार्रवाई न होने पर,जुटे सफाई कर्मचारियों ने कोतवाली का घेराव कर हंगामा काटा। आलमबाग नगर निगम जोन ५ के सफाईकर्मचारी मुन्ना पुत्र शिव कुमार ओम नगर,चंदर नगर मण्डी में सफाई कर्मचारी है,वह रोज की तरह मंडी में सफाई कर रहा था कि, इसी दौरान जूस की दुकान चलाने वाले अन्नी सोनकर ने दूकान के अंदर का कूड़ा उठाने को कहा,सफाई कर्मचारी ने कहा कि वह अभी झाड़ू लगा रहा है,गाड़ी आने पर कूड़ा उठवा लेगा, लेकिन दुकानदार ने अभद्रता शुरू कर दी,विरोध किया तो उसने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। कर्मचारी से मारपीट की सूचना मिलते ही सभी सफाई कर्मचारियों ने काम बंद कर आलमबाग कोतवाली का घेराव किया,कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर हंगामा शांत हुआ। प्रभारी कोतवाली आलमबाग ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी दुकानदार के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है,कोतवाली का घेराव नहीं किया गया था,वह लोग संगठित होकर कोतवाली आए थे,कार्रवाई हो जाने पर लौट गए।

भारत में कोरोना का सबसे बड़ा विस्फोट, पहली बार ४.१२ लाख नए पॉजिटिव, मौतों ने भी तोड़ डाले सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली। देश में कोरोना की दूसरी लहर ने और विकराल रूप ले लिया है। मई के पहले हफ्ते में कोरोना महामारी के नए मामलों में अब तक के सभी रिकर्डों को तोड़ते हुए सबसे बड़ा आंकड़ा छू लिया है। पिछले २४ घंटे में नए संक्रमिता और मौत के आंकड़ों ने अब तक के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. देश में बीते २४ घंटे के दौरान ४ लाख १२ हजार ६१८ नए पॉजिटिव केस दर्ज किए गए हैं. वहीं ३,६८२ लोगों की इस संक्रमण से जान गई है. ये दूसरी बार है जब एक दिन में कोरोना के ४ लाख से अधिक मामले सामने आए हैं. इससे पहले ३० अप्रेल को ४ लाख से ज्यादा मामले सामने आए थे और ३५२५ मरीजों की मौत हुई थी. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या अब २,३०,०१० से अधिक हो गई है. वहीं देश में कोरोना संक्रमण के कुल मामले बढ़कर २,१०,६४,८६२ हो गए हैं. हालाता इसलिए भी गंभीर है कि २४ घंटे के भीतर देष में ३.२४ लाख मरीज ही रिकवर हुए हैं. देश में उपचाराधीन कोरोना रोगियों की संख्या ३५ लाख ६२ हजार ७४६ हो गई है, जो संक्रमण के कुल मामलों का १६.८७ फीसदी है। जबकि कोविड–१६ से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर ८२.०३ फीसदी दर्ज की गई है। महाराष्ट्र में बीते २४ घंटे में कोरोना संक्रमण के ५७,६४० नए मामले सामने आए हैं. वहीं ६२० लोगों की कोरोना से मौत हुई है. वहीं राजस्थान में कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ते आंकड़ों में बुधवार को थोड़ी गिरावट देखी गई। साथ ही संक्रमितों की रिकवरी में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई हालांकि मौतों का आंकड़ा डराता रहा। बीते २४ घंटे में कोरोना संक्रमण से १५५ मौते दर्ज की गई है वहीं १६,८१५ नए संक्रमित सामने आए है। राजधानी जयपुर में भी मौतों से हाहाकार मचा हुआ है। यहां सर्वाधिक ४३ मौतें दर्ज हुई है।

दिल्ली में ऑटो-टैक्सी चालकों को ५ हजार रुपए, गरीबों को २ महीने का राशन मुफ्त

नई दिल्ली। पूरा देश कोरोना से बेहाल है। राजधानी दिल्ली में भी कोरोना संक्रमण से हाहाकार मचा हुआ है। इस महामारी ने फिर से गरीब के पेट पर लात मार दी है। संक्रमण के चलते लोगों के काम धंधे ठप हो गए है। ऐसे में दिल्ली सरकार ने एक बड़ा और अच्छा निर्णय लेते हुए दिल्ली के सभी राशन कार्ड धारकों को अगले २ महीने का राशन मुफ्त देने का फैसला किया है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार ने अटो और टैक्सी चालकों को भी ५–५ हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी देने का निर्णय किया है। सीएम केजरीवाल ने सभी लोगों से जरूरतमंद लोगों की मदद करने का आह्वान भी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोग दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जरूरतमंद लोगों की मदद करें। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए लकडाउन लगाना पड़ा है। आज हम लोगों ने दो निर्णय लिए हैं। दिल्ली में लगभग ७२ लाख राशन कार्ड धारक है इन सभी ७२ लाख राशन कार्ड धारकों को अगले २ महीने के लिए मुफ्त में राशन दिया जाएगा। इसका मतलब यह मत निकालिएगा कि दिल्ली में लकडाउन दो महीने चलेगा। हम चाहते हैं कि दिल्ली में कोरोना के मामले कम हो और लकडाउन जल्दी खत्म किया जाए। यह कदम सिर्फ गरीब लोगों को अगले दो महीने तक राशन मुफ्त देने के लिए उठाया गया है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि, दूसरा निर्णय यह है कि दिल्ली में जितने भी अटो–टैक्सी चालक हैं ये बेचारे रोज अटो टैक्सी चलाकर अपना घर चलाते थे। इन लोगों के घर में बहुत ज्यादा सेविंग भी नहीं है। पिछले कुछ हफ्ते से दिल्ली में लकडाउन हैं जिससे इन लोगों की रोजी–रोटी खत्म हो गई है। दिल्ली सरकार ने इन सभी लोगों को ५–५ हजार रुपये देने का निर्णय किया है। करीब एक लाख ५६ हजार लोगों की मदद इसके माध्यम से की जा सकेगी।

पंचायत चुनाव परिणाम आने के बाद से प्रदेश में अब तक ३० स्थानों पर बवाल

लखनऊ। पंचायत चुनाव का परिणाम आने के बाद से प्रदेश में अब तक कुल ३० स्थानों पर मारपीट और फायरिंग की घटनाएं हुई हैं। इसमें मतगणना के दौरान या मतगणना के बाद २५ घटनाएं हुईं। इसके अलावा पांच अन्य घटनाएं विजय जुलूस निकालने के दौरान हुई हैं जिसमें दो की जान भी गई।पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार मुरादाबाद, प्रयागराज, गोरखपुर, बस्ती, संतकबीरनगर, खीरी, अयोध्या, बागपत, सहारनपुर और मिर्जापुर में घटनाएं हुई हैं। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि अब तक दो मुकदमे हत्या, सात मुकदमे हत्या के प्रयास, पांच मामले पुलिस के साथ भिड़ंत, ११ बलवे और पांच अन्य मारपीट की घटनाओं के संबंध में दर्ज किए गए हैं। इन घटनाओं में ३५ लोग गिरफ्तार की जा चुके हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने निर्देश के क्रम में किसी भी तरह के विजय जुलूस और भीड़ इकट्ठा करने पर पाबंदी थी। ऐसे में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के इन मामलों में भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

लखनऊ के इस ऑक्सीजन प्लांट में सिलेंडर फटने से ३ की मौत, ६ घायल

लखनऊ। इस वक्त की बड़ी खबर राजधानी लखनऊ के चिनहट इलाके से आ रही है। यहां केटी अक्सीजन प्लांट में बड़ा हादसा हो गया है। जानकारी के मुताबिक ऑक्सीजन रिफिलिंग के दौरान सिलिंडर ब्लास्ट होने से ३ व्यक्तियों की मौत हो गई है, वहीं एक गंभीर और ५ लोग सामान्य रूप से घायल हैं। घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। मौके पर अफरा–तफरी का माहौल है। बता दें केटी ऑक्सीजन प्लांट लखनऊ में देवा रोड मटियारी के पास स्थित है। यहां प्लांट में एक बड़ा धमाका हुआ, जिससे प्लांट में काम कर रहे तमाम कर्मचारी मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मी इस हादसे में हताहत हो गए। लोगों ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि प्लांट के ऊपर पड़ा शेड हवा में उड़ गया। घटना के बाद मौके पर पुलिस राहत कार्य में जुटी है पुलिस ने पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है। एंबुलेंस द्वारा घायलों और मृतकों को बाहर निकाला जा रहा है। चिनहट कोतवाली प्रभारी धनंजय पाण्डेय ने इस हादसे में अभी तक ११ लोगों के घायल और १ व्यक्ति के मरने की पुष्टि की है। घायलों का इलाज गोमती नगर लोहिया अस्पताल में चल रहा है।

कोरोना के खिलाफ अभियान जारी.....नगर पालिका द्वारा चलाया जा रहा है विशेष स्वच्छता अभियान

मऊनाथ भंजन। कोविड–१६ एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों के रोकथाम हेतु विशेष स्वच्छता अभियान चलाये जाने के शासन व पालिकाध्यक्ष के निर्देश के क्रम में नगर पालिका परिषद मऊ द्वारा नगर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शनिवार को शहर के हर सार्वजनिक स्थानों, गलियों मुहल्लों से कोरोना के साथ–साथ अन्य जीवाणु और विषाणुओं की मिटा डालने के लिये पालिका कर्मियों ने लाक डाउन के दौरान शहर में सैनिटाइजर, एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया। सदर चौक से पालिकाध्यक्ष श्री मु० तय्यब पालकी, अपर जिलाधिकारी श्री केहरी सिंह एवं अधिशासी अधिकारी श्री संजय कुमार मिश्रा ने संयुक्त रुप से सफाई कर्मियों को नगर में सेनिटाइजर के छिड़काव करने के लिये हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यहां से हाथों मे मशीने लेकर निकले पालिका कर्मियों ने शहर की सड़को, बाजारों, गली–कूचों से लेकर चौराहों व सार्वजनिक स्थानों पर सफाई कराकर सैनिटाइजर, ब्लीचिंग पाउडर सहित कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया। शनिवार को लॉकडान के दौरान नगर में जहां सन्नाटा पसरा रहा तो वहीं नगर पालिका कर्मी कोरोना वायरस से निजात दिलाने के लिये डटे हुए नजर आये। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष मु० तय्यब पालकी ने कहा कि नगर पालिका द्वारा कोविड–१६ के बढ़ते संक्रमण को ष्टिगत रखते हुए पूरे नगर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत नगर के प्रत्येक वार्डों में सफाई, सेनिटाइजेशन एवं फागिंग का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। ताकि समय रहते कोरोना संक्रमण को रोका जा सके और लोगों का महामारी से बचाया सके। पालिकाध्यक्ष ने नागरिकों से निदेवन करते हुए कहा है कि आप सभी सावधानी व सतर्कता बरतें। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, दो गज की दूरी बनाये रखे, बार–बार हाथों को सेनिटाइजरध्साबुन से साफ करें, मास्क का प्रयोग करें एवं भीड़–भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, स्वच्छता बनाये रखे। अपर जिलाधिकारी श्री केहरी सिंह ने लोगों से शासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने तथा बिना जरूरत घरों से बाहर न निकलने, मास्क लगाने तथा शासन– प्रशासन का पूर्ण रुप से सहयोग करने की अपील की है। कहा कि लॉक डाउन का पालन करें, बिना जरूरत व बिना मास्क के घरों से बाहर न निकले, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, मास्क का प्रयोग करें, अगर किसी व्यक्ति के अन्दर प्रथम ष्ट्या कोविड–१६ के लक्षण दिख रहे हो तो तुरंत जांच कराये, टीकाकरण भी अवश्य करा लें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी श्री केहरी सिंह, अधिशासी अधिकारी– संजय कुमार मिश्रा, सफाई एवं खाद्य् निरीक्षक –सत्य प्रकाश, नरेश कुमार, सभासद प्रतिनिधि अब्दुस्सलाम, के इलावा पालिका के सफाई विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

वैक्सीनेशन सेंटर पर उड़ रहीं गाइड लाइंस की धज्जियां

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। शासन प्रशासन द्वारा जारी कोविड–१६ गाइडलाइंस की धज्जियां जिला अस्पताल में स्थित कोरोना वैक्सीनेशन सेंटर पर ही लागू नहीं हो रही है तो और जगह की तो बात ही छोड़ दीजिए। गुरुवार को उक्त सेंटर पर लोगों की लंबी लाइनें देखने को मिली। जिसमें कई लोग बिना मास्क के दिखे, वही सोशल डिस्टेंसिंग कहीं भी नजर नहीं आई। उधर लोगों ने बताया कि प्रशासन द्वारा सेंटर के बाहर छांव के लिए भी कोई इंतजाम नहीं करवाया गया है, जिसके चलते हमें वैक्सीन लगवाने के लिए काफी देर तक धूप में खड़े रहना पड़ा है।

मिशन ऑक्सीजन' के लिए नौ युद्धपोत तैनात, नेवी ने शुरू किया

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण से मचे हाहाकार के बीच इंडियन एयरफोर्स के बाद नेवी ने भी मिशन ऑक्सीजन शुरू किया है. भारतीय नौसेना ने फारस की खाड़ी और दक्षिण–पूर्व एशिया के कई देशों से तरल ऑक्सीजन और अन्य चिकित्सा आपूर्ति लाने के लिए नौ युद्धपोतों को तैनात किया है. ये अपने मिशन के तहत विदेशों से मेडिकल आपूर्ति ला रहे हैं. नौसेना ने इस संबंध में कहा कि मुंबई, विशाखापत्तनम और कोच्चि में तीनों नौसेना कमान के इन युद्धपोतों को ऑक्सीजन और अन्य चिकित्सा उपकरण लाने के लिए तैनात किया गया है. नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि, ऑपरेशन समुंद्र सेतु II सैकंड के हिस्से के रूप में नौ

युद्धपोतों की तैनाती की गई है. उन्होंने बताया कि, भारतीय नौसेना का जहाज बुधवार को बहरीन से दो २७ टन तरल ऑक्सीजन टैंकों को लेकर कर्नाटक के न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंच चुका है. इसी तरह आईएनएस कोलकाता, कुवैत से २७ टन ऑक्सीजन के दो टैंक, ४०० ऑक्सीजन सिलेंडर और ४७ ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के साथ रवाना हो गया है. इसके अलावा चार युद्धपोत भी कतर और कुवैत से नौ २७ टन के ऑक्सीजन टैंक और इन देशों से १५०० से अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर लाने के लिए भेजे गए हैं. भारतीय नौसेना का जहाज ऐरावत आज ३,६०० से अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर, आठ २७ टन अक्सीजन टैंक, १०,००० रैपिड एंटीजन किट और सात ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के साथ सिंगापुर से रवाना हो गया हैं

चीन ने फिर उड़ाई दुनिया के देशों की नींद, अब अंतरिक्ष में बेकाबू हुआ रॉकेट

नई दिल्ली। दुनिया के लिए लगातार खतरा बनते चीन ने एक बार फिर से सबकी नींद उड़ा दी है। चीन द्वारा छोड़े गए रकेट ने पूरी दुनिया के देशों की धड़कने बढ़ा रखी हैं। अब अंतरिक्ष में बेकाबू हुआ चीन का रॉकेट अमरीका के लिए मुसीबत बना हुआ है। इस बात की आशंका जताई जा रही है कि चीन का बेकाबू हुआ करीब २१ टन वजनी यह रकेट घनी आबादी वाले महानगरों अमेरिका के न्यूयॉर्क, स्पेन के मैड्रिड और चीन के पेइचिंग शहर को निशाना बना सकता है। वैज्ञानिक अभी तक यह पता नहीं लगा पाए हैं कि यह रॉकेट कहां पर गिरेगा। ऐसे में अगले ४८ घंटे काफी अहम होंगे. जब तक इस बेकाबू रॉकेट की वास्तविक स्थिति को लेकर सटीक जानकारी नहीं मिलती तब तक यह कह पाना मुष्किल हो रहा है कि ये रॉकेट कहा गिरेगा। इस रॉकेट के पृथ्वी के वायुमंडल में ८ मई को प्रवेश करने संभावना हैं। अमरीकी सरकार ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि २१ टन का यह रॉकेट ८ मई के आसपास कभी भी पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर सकता है। हालांकि वैज्ञानिक ये पता नहीं लगा सके है कि यह पृथ्वी के वायुमंडल में किस क्षेत्र से प्रवेश करेगा। इसे

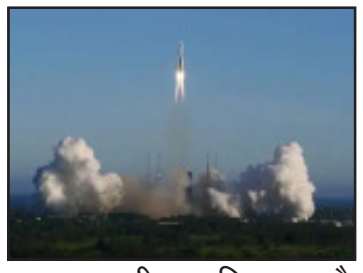

२०२१–०३५बी नाम दिया गया है, जो प्रति सेकंड चार मील की गति से आ रहा है। अमरीका इस रकेट पर लगातार नजर बनाए रखे हुए हैं। अमरीका इस कोशिश में है कि इसे पृथ्वी पर गिरने से कैसे रोका जाए। ऐसा माना जा रहा है कि चीनी रॉकेट के पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा एंट्री के कुछ घंटों पहले ही उसकी लोकेशन को लेकर सही जानकारी मिल सकेगी।

बोले पीएम मोदी के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कोरोना की तीसरी लहर को टाला नहीं जा सकता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के. विजयराघवन (ज्ञ. ने कहा है कि कोरोना की तीसरी लहर भी आ सकती है. जिस तरीके से अभी वायरस का प्रसार हुआ है उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि तीसरी लहर जरूर आएगी. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इसलिए हमें इसके लिए तैयार रहना चाहिए. नई लहर के बारे में बात करते हुए केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के विजयराघवन ने कहा कि कोरोना वायरस के नए वेरिएंट्स ज्यादा संक्रामक यानी फैलने वाले हैं. विजयराघवन ने कहा है कि नया स्ट्रेन भी ओरिजिनल वायरस की तरह ही संक्रमण पैदा कर रहा है. इसमें संक्रमण की नई तरह की क्षमता नहीं है. नए वेरिएंट के खिलाफ भी वैक्सीन कारगर हैं. केंद्र सरकार

ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस का तीसरा चरण अपरिहार्य है यानी इसे टाला नहीं जा सकता, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि यह तीसरा चरण किस वक्त पर सामने आएगा.उन्होंने बताया कि वेरिएंट भी मूल स्ट्रेन के समान ही फैल रहे हैं। इसमें नए प्रकार के ट्रांसमिशन के गुण नहीं हैं. यह मनुष्यों के शरीर में प्रवेश पाने के बाद इसे अधिक संक्रामक बनाता है, फिर यह खुद के कई प्रतिरूप बनाता है और मूल यानी असल वायरस के रूप में आगे बढ़ता है. टीके वर्तमान वेरिएंट के लिए काफी प्रभावी हैं. दुनिया भर में और भारत में भी नए वेरिएंट पैदा होंगे लेकिन ट्रांसमिशन बढ़ाने वाले वेरिएंट के सपाट रहने की संभावना है. इम्यून इवेसिव वेरिएंट और जो रोग की गंभीरता को कम या बढ़ाते हैं, वे आगे बढ़ते रहेंगे.

कोटेदार कर रहा सरकारी अनाज का दुरुपयोग

लखीमपुर खीरी। मैगलगंज की कोटेदार सुप्रिया मिश्र बीते कई महिनो से कार्ड धारकों के अंगूठे लगवाकर उनका राशन २० से २५ दिनों के बाद देती है , जिससे कि कार्ड धारकों को काफी ज्यादा दिक्कत होती है। इस कोरोना महामारी के लॉकडाउन के वजह से जहा सरकार लोगो को घरो में रहने की सलाह देती है तो वही राशन की वजह से लोगो को बार बार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राशन न देने का कारण पूछने पर लोगो के साथ अभद्र व्यवहार करके भगा दिया जाता है।

प्रतिबंधित सामानों तस्करी जनता कर्फ्यू में जारी

लखीमपुर खीरी। सेडबेड़ा से तस्करी कर नेपाल ले जाया जा रहा लाखों रुपए का कपड़ा पिलर संख्या १७१–१७२ के मध्य नेपाल ए पी एफ ने पकड़ा जिसमे आधा दर्जन सहित थारू कैरियरों को भी पकड़ा। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की अनदेखी के चलते मोहना नदी घाट एवं जंगली पद मार्गो से प्रतिबंधित सामानों तस्करी जनता कर्फ्यू में जारी है।

पेट्रोल–डीजल के कीमतों में लगातार तीसरे दिन वृद्धि

नई दिल्ली। चुनाव क्या खत्म हुए तेल कंपनियों ने फिर से दाम बढ़ाने शुरू कर दिए है। आम जनता पहेले ही कोरोना महामारी से त्रस्त है। हर वस्तुओं के दामों में लगातार उछाल आ रहा है और लोगों का पेट भरना मुष्किल हो रहा है। लोगों के काम–धंधे छिन गए है। लोगों को कमाई का साधन नहीं मिल रहा है। ऐसे में पेट्रोल–डीजल के बढ़ते दामों ने आम लोगों को और भी संकट में डाल दिया है। सरकारी तेल कंपनियों ने लगातार तीसरे दिन गुरुवार को भी पेट्रोल–डीजल के दामों में बढ़ोतरी की है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल के दाम २४ पैसे और डीजल के दाम में ३१ पैसे की बढ़ोतरी की है। देश में पेट्रोल की कीमतें इस समय रिकर्ड स्तर पर हैं। दिल्ली को छोड़कर अन्य शहरों में डीजल के दाम भी ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर हैं। देश में पेट्रोल की कीमतें इस समय रिकॉर्ड स्तर पर हैं। दिल्ली को छोड़कर अन्य शहरों में डीजल के दाम भी ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर हैं। जिसके

चलते जयपुर में अब पेट्रोल के दाम ६७.३६ रुपए और डीजल के दाम ८६.६२ रुपए प्रति लीटर हो गए है। तेल कंपनियों ने इस साल २६वीं बार पेट्रोल–डीजल के दामों में वृद्धि की है। पिछले तीन दिनों में तेल कंपनियों ने पेट्रोल के दामों में ५६ पैसे और डीजल के दाम में ७२ पैसे की जोरदार बढ़ोतरी कर दी है। देश के महानगरों में आज पेट्रोल के दाम... दिल्ली में आज पेट्रोल ६०.६६ रुपए प्रति लीटर, मुंबई में ६७.३४ रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में ६०.१४ रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में ६२.६० रुपए प्रति लीटर...आज डीजल के दाम.. दिल्ली में ८१.४२ रुपए प्रति लीटर, मुंबई में ८८.४६ रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में ८६.३५ रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में ८४.२६ रुपए प्रति लीटर गौरतलब है कि जब तक चुनाव का दौर चल रहा था तब तक पेट्रोल–डीजल के दामों में वृद्धि नहीं हो रही थी पिछले ६६ दिनों से इनके दाम नहीं बढ़े थे। क्रूड ऑयल बाजार में तब भी खूब उतार–चढ़ाव आया था, लेकिन उसका असर तेल के घरेलू दामों पर नहीं पड़ा। लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म हुए और दामों में निरन्तर वृद्धि चालू हो गई।

पैरा मिलिट्री फोर्स का बदला ड्रेस कोड अब इस ड्रेस में नजर आएंगे जवान

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी पैरा मिलिट्री फोर्स केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सिपाही से लेकर अधिकारी तक सभी एक जैसी ड्रेस पहने नजर आएंगे। जी हां, अब सीआरपीएफ ड्रेस कोड में बदलाव किया गया है। इसमें गर्मियों के लिए अलग और सर्दियों के अलग ड्रेस कोड रखा गया है। ड्रेस पर बदलाव का अंतिम अधिकार गृह मंत्रालय के पास है। यही नहीं, ड्रेस कोड बदलाव के साथ ही सीआरपीएफ के जूतों के रंग में भी बदलाव किया गया है। फोर्स के सभी जवान नीले और काले रंग के जूते पहनेंगे। यही नहीं, सीआरपीएफ के सभी कार्मिक, जिसमें जवान और अधिकारी सभी शामिल हैं, को पीटी या खेलों के लिए एक जैसी ड्रेस पहननी होगी। ड्रेस का कपड़ा पॅलिस्टर या सूती होगा। फोर्स में कार्मिक गर्मियों में पीटी या खेलों के आयोजन के दौरान काले रंग की पैंट और गोल गले की नीले रंग की टी–शर्ट पहनेंगे। वहीं, महिला अधिकारी और महिला जवान काले रंग की ट्रैक पैंट और गोल गले की टी–शर्ट पहनेंगी। सर्दियों में भी ड्रेस कोड में बदलाव किया गया है। सभी

जवानों और अधिकारियों को सदियों में नीले रंग का ट्रैक सूट और नीले रंग की टोपी पहननी होगी। अगर सर्दी अधिक है, तो टोपी ऐसी होगी, जिससे सिर और कान ढंके जा सकें। जवान सर्दी में नीले रंग की जैकेट और विंडशीटर पहन सकते हैं।

अद्भुत इंसान : तीन पैरों वाला इंसान

अमरेन्द्र सहाय अमर

किसी भी आदमी की दो टांगें होती है. क्या आपने किसी तीन पैरों वाले आदमी के बारे में सुना है. दुनिया में कभी–कभी ऐसे अजूबे देखने को मिलते हैं, जो बेहद ही अदभुत और आश्चर्यजनक होते हैं. उन अजूबों को देखने के बाद हम अक्सर सोचते हैं कि क्या ऐसा

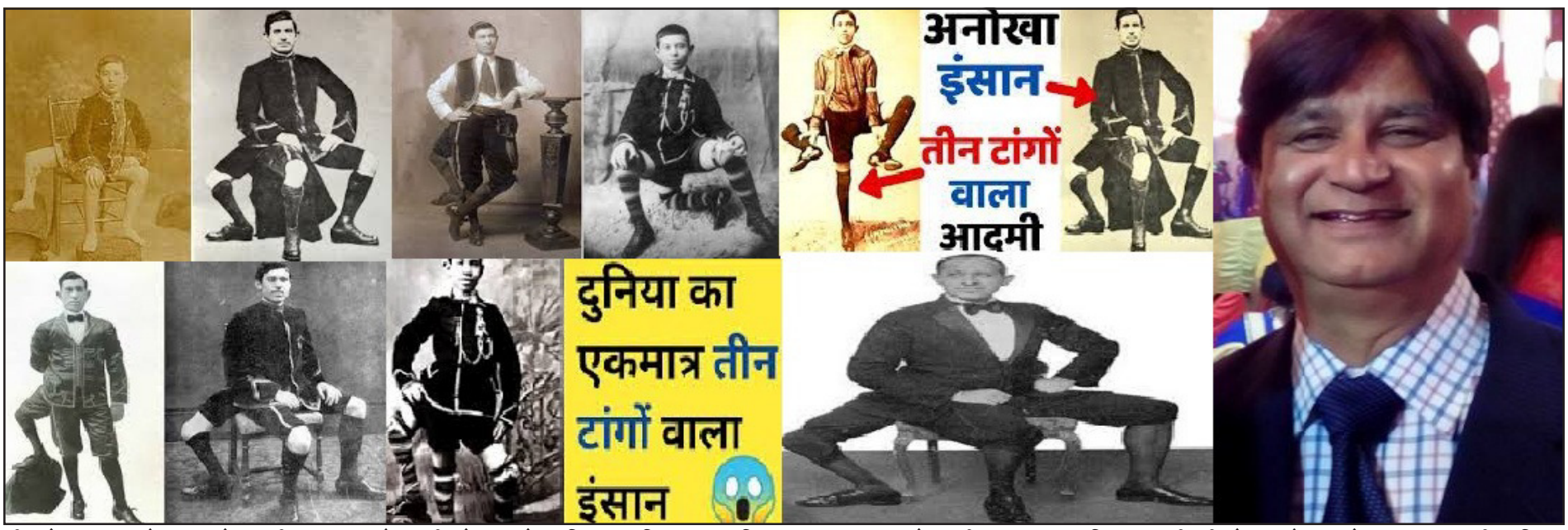

भी हो सकता है. एक ऐसा ही अदभुत और अजीबोगरीब इंसान था इटली का रहने वाला फ्रैंक लेंटिनी जिसकी दो नहीं बल्कि तीन टांगें थी. जी हां, यह हैरान करने वाली बात तो है, लेकिन बिल्कुल सच है. कुदरत के करिश्मे ने उसे असाधारण रूप में पैदा किया था और उस असाधारण रूप के साथ वो दो चार नहीं बल्कि ७७ साल तक इस दुनिया में जिंदा रहा. इस अनोखे श्फ्रैंकश लेंटिनी, इसका जन्म १८ मई १८८६ को इटली के सिसिली द्वीप में हुआ था. वह अपने १२ भाई–बहनों में पांचवें नंबर का था. जब फ्रैंक लेटिनी बहुत छोटा था, तभी उसके माता–पिता ने उसे उसके चाचा–चाची के पास भेज दिया था, जहां उसका पालन–पोषण हुआ और वहीं से उसके करियर की भी शुरुआत हुई. आपको जानकर हैरानी होगी कि लेंटिनी की तीन टांगें, चार पैर और दो गुप्तांग थे. उसका चौथा पैर उसकी तीसरी टांग के घुटने के पास से निकल रहा था. हालांकि वह पैर पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाया. कहा जाता है कि लेंटिनी एक प्रकार के विकार से पीड़ित थे, जिसमें उनके शरीर से आधा जुड़वां बच्चा जुड़ा हुआ था. वो 'आधा बच्चा' उनकी रीढ़ की हड्डी के साथ जुड़ा था. फ्रैंक लेंटिनी को अपनी पूरी जिंदगी तीन टांगों, चार पैरों और दो गुप्तांगों के साथ ही गुजारनी पड़ी. ऐसा नहीं है कि फ्रैंक ने अपने अतिरिक्त अंगों को हटवाने की कोशिश नहीं की थी, लेकिन डॉक्टरों ने साफ–साफ कह दिया था कि अगर वह अपने अतिरिक्त अंगों को हटवाते हैं तो उन्हें लकवा मार सकता है और वो हमेशा के लिए अपाहिज हो सकते हैं, क्योंकि उनकी जो तीसरी टांग थी, वो उनकी रीढ़ की हड्डी के बिल्कुल पास थी. फ्रैंक जब १२ साल थे, तब उनकी मुलाकात विंसेनजो मैगनैनो नामक शख्स से हुई, जो उस समय एक सर्कस का मालिक था. उसने फ्रैंक को सर्कस में भर्ती होने का सुझाव दिया, जो फ्रैंक को अच्छा लगा. देखते ही देखने फ्रैंक सर्कस में दर्शकों की पहली पसंद बन गए. तीन टांगें होने के बावजूद उनके पास गजब की फुर्ती थी. वह अपनी तीसरी टांग से फुटबॉल को किक मारा करते थे, जो लोगों को काफी पसंद आता था. साथ ही साथ वह हाजिर जवाबी थी थे और अपने जवाब से दर्शकों का दिल जीत लेते थे. कई बार फ्रैंक अपनी तीसरी टांग का इस्तेमाल स्टूल की तरह किया करते थे और उसपर बैठ जाते थे. अक्सर लोग उनसे यह सवाल पूछते थे कि वह अपने लिए तीन पैरों वाला जूता कहां से खरीदते हैं? इसपर फ्रैंक जवाब देते कि वह हमेशा दो जोड़ी जूता खरीदते हैं और एक अतिरिक्त जूता अपने एक पैर वाले दोस्त को दे देते हैं. साल १९०७ में फ्रैंक ने थेरेसा मुरे नाम की महिला से शादी की, जिससे उन्हें चार बच्चे हुए. हालांकि दोनों का साथ जिंदगी भर का नहीं रहा १९३५ में दोनों अलग हो गए, जिसके बाद फ्रैंक ने हेलेन शुपे नाम की महिला से शादी कर ली और मरने तक वह उसी महिला के साथ रहे. २१ सितंबर १९६६ को अमेरिका के टेनेसी में ७७ साल की उम्र में उनकी मौत हो गई. उन्होंने इटली से लेकर अमेरिका तक सर्कस के कई शो में काम किया था. विशेष तौर पर उनके शो का नाम रखा गया था 'थ्री लेग्ड फुटबॉल प्लेयर' यानी तीन टांगों वाला फुटबॉल खिलाड़ी।

कोविड २१ पहली लहर (कोविड) १९ से भिन्न

एंटीजन, आरटी पीसीआर के साथ एक्सरे व सीटी स्कैन भी जरूरी–डॉ संजय तोमर

लखीमपुर खीरी। जिले के वरिष्ठ पैथालाजिस्ट/रेडियोलजिस्ट डॉ संजय तोमर ने कोरोना संकट पर प्रेस से लम्बी बातचीत करते हुए कहा कि कोरोना की दूसरी लहर कोविड १९ से भिन्न है। इसे कोविड २१ कहना उचित होगा।इसमें चार वैरिएंट होते है। इनमे यूके स्ट्रेन, ब्राजीलियन स्ट्रेन, साउथ अफ्रीकन स्ट्रेन शामिल है। इंडियन डबल म्यूटेंट स्ट्रेन तेजी से फैलता है। बच्चों में भी फैल रहा है। शरीर मे इम्युनो इंफ्लामेशन, थ्रामबोई इंफ्लामेशन व रक्त में थक्के हो जाते है। डॉक्टरों को डायग्नोज करने में दिक्कत हो रही है। आरटी पीसीआर तीन जीन्स ई जीन, आरडीआरपी जीन, ओआरएफ १ ये के ऐम्प्लीफिकेशन सिद्धांत पर कार्य करता है। यूके स्ट्रेन जीन का दिलीशन हो जाता है जिससे मरीज नेगेटिव आ जाता है। कोविड १९ में वायरस ३ या ४ दिन में फेफड़े में पहुंचता था। इसके विपरीत कोविड २१ का फेफड़े में संक्रमण दूसरे दिन हो जाता है। कई मामलों में आरटी पीसीआर नेगेटिव आ जाता है जबकि फेफड़े में इंफेक्शन होता है। डॉ संजय ने बताया निमोनिया के टेस्ट में फेफड़े का सैम्पल लेना पड़ता है जो कई चिकित्सक नही कर पाते हैं। मरीज की सीबीसी व सीआरपी जांच भी जरूरी होती है। एंटीजेन, आरटी पीसीआर जांच के साथ तत्काल एक्सरे या सीटी स्कैन जरूरी है। कुछ डाक्टर कई अन्य ब्लड टेस्ट कराते है जैसे सीरम फेरेटिन, डिजायमर, आईएल ६ ,एलडीएच आदि। डौ तोमर ने बताया कि फेफड़े वायरस नही इन्फेक्टेड करता है बल्कि जब रोग प्रतिरोधक क्षमता वायरस को बाहर करती है तब मरीज तो नेगेटिव हो जाता है। इस प्रक्रिया में फेफड़ो में सूजन आ जाती है जिससे सांस की समस्या पैदा हो जाती है। हार्ट अटैक होने की भी संभावना रहती है।

राम नरेश तिवारी बने किसान मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव

लखीमपुर–खीरी। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर द्वारा किया गया जिसमें लखीमपुर–खीरी में बहुत दिनों तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नेतृत्व करने वाले तथा वर्तमान में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर कुशल नेतृत्व करने वाले रामनरेश तिवारी को किसान मोर्चा का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया।यह जानकारी प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डा.राकेश कुमार शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रेस को दी। श्री तिवारी जी के मनोनयन से प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश और हर्ष की पूर्ति हो रही है। श्री तिवारी के राष्ट्रीय सचिव मनोनीत पर राष्ट्रीय नेतृत्व खासकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चाहर जी का कार्यकर्ताओं ने आभार व्यक्त किया।

डीएम-एसपी ने प्रशासनिक एवं पुलिस अफसरों संग की बैठक, तय की रणनीति

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह व एसपी विजय दुल के साथ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के संग वर्चुअल बैठक की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम का समुचित उपयोग कर लोगों को कोविड की सतर्कता सावधानियों की जानकारी दी जाए। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में युद्ध स्तर पर सैनिटाइजेशन व फागिंग कराई जाए। उन्होंने मतदान से लेकर मतगणना तक पूरी निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्ण मनोयोग एवं निष्पक्षता से संपन्न कराने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आंशिक लाभ डाउन को लेकर शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि शादी में अधिकतम ५० लोग एवं अंतिम संस्कार में अधिकतम २० लोग सम्मिलित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अनुमन्य गतिविधियों ही संचालित होंगी। एसपी विजय ने निर्वाचन प्रक्रिया को प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने पूरी हिम्मत से शुचिता पूर्ण संपन्न कराया जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी स्वयं को संक्रमण से बचा कर अपने कार्य दायित्वों का निष्पादन करें। लापरवाही कतई न बरतें। उन्होंने कहा कि वैक्सीन से ही हम सभी संक्रमण से बचे हुए। उन्होंने निर्देश दिए कि वैक्सीनेशन से कोई भी पुलिसकर्मी अछूता ना रहे यह सीओ लाइन द्वारा प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि मास्क करना पहनने वालों का एक हजार का चालान किया जाए। दोबारा बिना मास के पकड़े जाने पर दस हजार का चालान किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह सभी उप जिलाधिकारी सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी सभी तहसीलदार सभी प्रभारी निरीक्षक एवं थानाध्यक्ष वर्चुअल शामिल हुए।

डीएम ने की ग्रामीण क्षेत्र में क्रियान्वित सर्विलांस अभियान की समीक्षा, दिए निर्देश

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। गुरुवार को डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने जिले के प्रशासनिक व चिकित्सा अधिकारियों के साथ शासन के निर्देश पर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड–१९ रोग के प्रति सजगता, संभावित रोगियों के चिह्नीकरण, लक्षणयुक्त व्यक्तियों की जांच, आवश्यकतानुसार औषधि वितरण हेतु चलाए जा रहे व्यापक अभियान की समीक्षा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इस अभियान के संचालन हेतु तैयार माइक्रोप्लान के तहत घर–घर भ्रमण हेतु गठित टीमें फील्ड में प्रातः ८: ०० बजे से अपराहन २:०० बजे तक एक्टिवेट होकर सौपे गए दायित्वों का निष्पादन करें। उन्होंने सीएमओ को निर्देश दिए कि प्रत्येक टीम को मास्क, ग्लव्स, सेनीटाइजर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए। कोविड–१९ के विषय में संवेदीकरण, निकटवर्ती जांच व उपचार केंद्रों के विषय में जनसामान्य को जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बताया कि गठित टीम में लक्षणयुक्त व्यक्तियों की पहचान कर सूचीबद्ध करते हुए जांच हेतु निकटतम जांच केंद्रों पर भेजना सुनिश्चित करें। ऐसे लक्षण युक्त व्यक्ति जिन्हें खांसी बुखार इत्यादि के साथ सांस फूलने जैसे लक्षण प्रकट हो रहे हैं। परंतु अभी तक जांच नहीं हुई है और वह निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्र पर जाने में सक्षम भी नहीं है यथा अकेले रहने वाले वृद्ध ऐसे सभी व्यक्तियों को कोविड मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान व्यक्तियों को एकींत कोविड–१९ एंड कंट्रोल सेंटर के हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी जाए। सभी ४५ वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को कोविड–१९ की जानकारी प्रदान करते हुए टीकाकरण हेतु प्रेरित किया जाए। सीडीओ अरविंद सिंह ने कहा कि सभी एमओआईसी लीडरशिप लेकर सभी लक्षण युक्त व्यक्तियों को अनिवार्य रूप से मेडिकल किट मुहैया कराएं।इस प्रकार हम वायरस के प्रारंभिक इन्क्यूबेशन साईकल को तोड़ सकते हैं। निगरानी समितियों को और अधिक एक्टिवेट करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर अभियान के तहत होने वाली गतिविधियों का प्रशासन थर्ड पार्टी चेकिंग भी कराई जाएगी। सीएमओ मनोज अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक पांच टीमों पर एक पर्यवेक्षक की तैनाती की गई।पर्यवेक्षक ब्लॉक स्तर पर रिपोर्ट तैयार कर जिला मुख्यालय भेजेंगे जिसे समेकित कर शाशन को प्रतिदिन की प्रगति से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले में ३६४७ टीमों का गठन किया गया। जिसमें ७२६४ सदस्य एवं ५६५ पर्यवेक्षक शामिल है। डीएम ने की वैक्सीनेशन की समीक्ष ...वैक्सीनेशन की समीक्षा के दौरान डीएम ने निर्देश दिए कि सभी एमओआईसी वैक्सीनेशन के नियत लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करें। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ बलबीर सिंह वैक्सीनेशन की डेली मॉनिटरिंग करें। सभी एमओआईसी सुनिश्चित कराएं कि वैक्सीनेशन का वेस्टेज किसी भी दशा में न हो। प्रत्येक वाइल से दस व्यक्तियों का टीकाकरण करना होता है यदि ०४ घंटे में इसे १० लोगों को नहीं दिया गया तो शेष बची डोज खराब हो जाती है। इस संबंध मे एमओआईसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले व्यक्तियों को जागरूक करें व टीके का एक भी डोज बेकार न जाने पाए इसकी समुचित प्लानिंग करें।

कोविड महामारी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में ०९ मई तक चलेगा डोर टू डोर सर्विलांस अभियान

कोविड रोग के प्रति सजगता, संभावित रोगियों के चिह्नीकरण, लक्षणयुक्त व्यक्तियों की जांच एवं तत्काल औषधि वितरण हेतु ०९ मई तक ग्रामीण क्षेत्रों में चलेगा अभियान

तस्करों पर सुरक्षा एजेंसियों ने कसा शिकंजा

गौरी फंटा खीरी। इंडो नेपाल सीमा पर सक्रिय संदिग्ध कार्यो में लिप्त तस्करों (तथाकथित पत्रकारों) पर सुरक्षा एजेंसियों ने शिकंजा कस दिया है जिसके फलस्वरूप गतदिवस बरेली से प्रकाशित एक समाचार पत्र का पत्रकार का चोला ओढ़ कर सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देकर कई वर्षों से अपने अवैध कारोबार को अंजाम दे रहा था जिसे स्थानीय पत्रकारों ने संज्ञान में लेते हुए संबंधित संस्थान को अवगत कराया जिसे प्राथमिकता देते हुए हिंदुस्तान मीडिया वेंचर्स लिमिटेड के तहसील प्रभारी ने गौरी फंटा कोतवाली पुलिस को अवगत कराते हुए ४२० की सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करने का आग्रह किया जिसके चलते कोतवाली पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए उक्त जालसाज तथाकथित पत्रकार को पकड़ लिया और लिखित माफीनामा लिखवा कर हिदायत देकर छोड़ दिया। इन दिनों वनगांव ,सूडा मंडी में संदिग्ध कार्यो में लिप्त तथाकथित पत्रकारों की बाढ़ आ गयी है जिन्होंने शिक्षा के मंदिर की चौखट पर कभी कदम भी नही रखा और न किसी संस्थान के लिए समर्पित है वो गले मे बड़ा सा पट्टा डालकर खुद को राष्ट्रीय स्तर के पत्रकार प्रदर्शित करने में प्रयासरत है।

सांसद खीरी के १० करोड़ और भत्ता ३३ प्रतिशत का इन्तजार कर रही जनता-राजीव गुप्ता

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। सांसद ने अपनी सांसद निधि से १० करोड़ रुपए देने एवं ३३ प्रतिशत भत्ता भी कोविड–१९ के लिए देगे जिस की जनता को जरूरत है सारी मीडिया ने १० करोड़ रुपए देने की खबर को प्रमुखता दी थी। लेकिन अब सांसद खीरी जनता की निधि जो १० करोड़ और भत्ता देने की बात कही वो क्यू नही दे रहे है अगर दी है तो पत्र दिखाए। प्रसपा प्रदेश महासचिव राजीव गुप्ता ने कहा की कोरोना से लड़ने के लिए अभी और धन की जरूरत है इस लिए सांसद खीरी को वो धन राशि देनी चाहिए। राजीव गुप्ता ने सवाल किया कि झूठी वाहवाही कोरोना महामारी में सांसद को शोभा नही देता है। आक्सीजन प्लांट खीरी के सांसद ने नही मंजूर करवाया है वो पूरे देश में च्डव् के आदेश पर बनाए जा रहे है खुद सांसद प्रतिनिधि ने कहा PMo~ के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में ४६ आक्सीजन प्लांट बनाए जाने है सांसद के साथ उन के प्रतिनिधि में १० करोड़ रुपए और भत्ता देने की बात कही थी। जनता इंतजार कर रही है कि सांसद की धनराशि आने वाली है। प्रसपा प्रदेश महासचिव राजीव गुप्ता ने कहा कि गेल इंडिया कम्पनी जिला अस्पताल में पीएमओ के निर्देश पर आक्सीजन प्लांट लगा रही है। अफसोस है जनता इतना परेशान है और नेता इस महामारी में भी झूठी वाहवाही लूटना चाहते है।

डीएम ने की उद्यमियों के संग बैठक

लखीमपुर खीरी ०६ मई २०२१। गुरुवार को डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह व एसपी विजय दुल ने जिले के उद्यमियों के संग वर्चुअल बैठक की। बैठक में कोविड के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम व आंशिक लकडाउन के अनुपालन पर विस्तृत चर्चा हुई। डीएम ने बताया कि कोविड की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। कहा कि जिले में कोविड का प्रसार दिनोंदिन तेजी से बढ़ रहा। ४५ वर्ष व उससे ऊपर आयु वर्ग के लोग अनिवार्य रूप से वैक्सीनेशन कराएं। प्रशासन कोविड–१९ के संक्रमण से निपटने हेतु बेहतर प्रबंधन हेतु नित नए प्रयास कर रहा है। जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से जिला चिकित्सालय में गेल ने अक्सीजन प्लांट लगाने की सहमति दे दी है। वही पीएम केयर्स फंड से ओयल के मोतीपुर स्थित मातृ व शिशु चिकित्सालय में भी एक अक्सीजन प्लांट लगेगा। उन्होंने कहा कि खांसी, जुकाम, बुखार, लूज मोशन व शरीर में घटित होने वाली असामान्य गतिविधियों परिलक्षित होने पर टेस्टिंग अवश्य कराएं। कोविड मेडिकल किट का प्रपर इस्तेमाल करें। इस बीमारी को गंभीरता से लें। लापरवाही कतई ना करें। तत्परता से इलाज कराएं। जानबूझकर अपनी जान को जोखिम में ना डालें। ०२ गज की दूरी, मास्क के जरूरी के सूत्र वाक्य का अनुपालन करें। अच्छी डाइट लें, ठंडे पानी का इस्तेमाल ना करें। एक्सरसाइज जरूर करें। अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क, सचेत और सावधान रहें। बैठक में डीएम–एसपी ने वर्चुअल जुड़े व्यापारियों से आंशिक लकडाउन में अनुमन्य गतिविधियों पर चर्चा की। जिसमें व्यापारियों ने अनुमन्य गतिविधियों के संचालन हेतु समय सीमा निर्धारित करने का अनुरोध किया। जिस पर डीएम ने कहा कि आज शाम तक समय सीमा निर्धारित कर सूचित किया जाएगा। एसपी विजय दुल ने कहा कि कोविड के संक्रमण के प्रसार को रोकने में पुलिस प्रशासन का अपेक्षित सहयोग करें। दुकानों पर बिना मास्क के किसी को भी प्रवेश ना दें। उन्होंने कहा कि प्रशासन आप सबकी अच्छी सेहत की कामना करता है।

विजयी प्रत्याशी कर रहे शासनादेशों की अवहेलना

मितौली–खीरी। पंचायत चुनाव में जीते हुए प्रत्याशियों द्वारा लगातार शासन के निर्देशों की अवमानना करने की बात सामने आ रही है। इसका एक उदाहरण मितौली क्षेत्र से सामने आया, यहां के ग्राम बबौना में प्रत्याशी की जीत की खुशी में समर्थकों ने जमकर डीजे बजाया, डीजे की धुन पर थिरकते हुए वे विपक्षियों के घरों के सामने पहुंच गए और वहां पटाखे दगाने लगे। आरोपों के अनुसार विजय प्रत्याशी के समर्थकों में से कुछ लोगों ने पटाखे जलाकर विपक्षीगणों के घरों पर फेंके, जिसका विरोध करने पर गाली गलौज के साथ ईटा पत्थर भी फेंके गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची जिस पर मामला शांत हुआ। विजय जुलूस पर प्रतिबंध के बावजूद इस तरह के मामलों का सामने आना स्थानीय प्रशासन की भारी चूक का नमूना है।

पत्रकार एडवोकेट योगेश श्रीवास्तव का आकस्मिक निधन

मोहम्मदी खीरी। मोहम्मदी नगर के वरिष्ठ पत्रकार ,अधिवक्ता व प्रेस क्लब के सदस्य अचानक मृत्यु का समाचार मिलने पर नगर से लेकर क्षेत्र के सभी लोग अचंभित से हो गए सभी ने अचानक हुए इस घटना पर दुःख व्यक्त किया सोशल मीडिया से लेकर अन्य माध्यमों से योगेश श्रीवास्तव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है,पत्रकारिता व अधिवक्ता जगत को भी एक बहुत बडी क्षति पहुँची है ,मरहूम योगेश श्रीवास्तव काफी समय से अधिवक्ता, पत्रकारिता करते आ रहे हैं अच्छा स्वभाव बड़े छोटों का हमेशा सम्मान करना इस तरह अचानक गुजर जाने से सोसल मीडिया सहित क्षेत्र में शोक की लहर,उनके निधन पर प्रेस क्लब के सभी साथियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

सीएचसी में खाली पड़े बेडों का इस्तेमाल किया जाए

लखीमपुर खीरी। निघासन सीएचसी में ३० बेड है। निघासन क्षेत्र में कोरोना संक्रमित लोगों को उपचार के लिए जगसड़ या फिर लखीमपुर भेजा जाता है, क्या प्रशासन निघासन क्षेत्र के संक्रमितों का इलाज सीएचसी पर नही करवा सकता, ताकि लोगो को आसानी रहे, इस महामारी माहौल में निघासन सीएचसी में खाली पड़े बेड़ो का भी इस्तेमाल किया जाए, जिससे आने वाले मरीजों को ५० से ६० किलो मीटर दूर न जाना पड़े, प्रशासन अस्पताल में ऑक्सीजन ओर दवाओं की व्यवस्था भी कराए।

यूपी में फिर बढ़ा लॉकडाउन, 10 मई तक रहेंगी पाबंदियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने की कवायद के तहत सरकार ने एक बार फिर कोरोना कर्फ्यू की मियाद को बढ़ाते हुये इसे सोमवार सुबह सात बजे तक करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुध्ावार को टीम–०६ के साथ कोरोना संक्रमण की समीक्षा करने के बाद कहा कि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में आंशिक कोरोना कर्फ्यू प्रभावी हो रहा है। अभी छह मई की प्रातः ०७ बजे तक आंशिक कोरोना कर्फ्यू लागू है, इसे १० मई (सोमवार) को प्रातः सात बजे तक विस्तार दिया जा रहा है। सभी जिलों में इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि आंशिक कोरोना कर्फ्यू की अवधि में स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यों के लिए पूरी छूट रहेगी। औद्योगिक गतिविधियां, ई–कमर्स से सम्बंध्ित कार्य यथावत चलते रहेंगे। राशन वितरण और टीकाकरण का कार्य सुचारू रूप से जारी रहेगा। ऐसे लोगों को कतई न रोका जाए। पुलिस इनकी यथावश्यक मदद करे। विशेष परिस्थितियों के लिए ई–पास की व्यवस्था लागू की गई है। आंशिक कोरोना रेहड़ी पटरी

व्यवसायियों, ठेला लगाने वालों, दैनिक श्रमिकों आदि के भरण–पोषण के लिये ' सामुदायिक भोजनालयों' का संचालन प्रारम्भ कर दिया जाए। कंटेनमेंट जोन में केवल डोर–स्टेप डिलीवरी व्यवस्था ही आपूर्ति होगी। योगी ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में भोजन का आदि का आवश्यकतानुसार प्रबन्ध रहे। कोई भी व्यक्ति भोजन के अभाव में परेशान न हो, इसे सुनिश्चित किया जाए। कोरोना से लड़ाई में टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट के मंत्र का अनुपालन करते हुए उत्तर प्रदेश में एक ओर जहां नए केस कम आ रहे हैं, जबकि स्वस्थ होने वालों की संख्या हर दिन बढ़ती जा रही है। कुछ दिनों से दैनिक नए केस की तुलना में डिस्चार्ज होने वालों की संख्या अधिक हो रही है। पिछले २४ घंटों में २१,१६५ नए केस आए हैं, जबकि ४०,८५२ लोग स्वस्थ हुए हैं। टेस्ट के महत्व के अनुरूप प्रदेश में एग्रेसिव टेस्टिंग नीति अपनाई गई है। बीते २४ घंटों में २,३२,०३८ टेस्ट हुए हैं, इसमें १,१३,००० टेस्ट केवल आरटीपीसीआर माध्यम से हुए हैं। प्रदेश में अब तक ४,२०,३२,५०० टेस्ट किए जा चुके हैं। यह देश में किसी राज्य द्वारा किया गया सर्वाधिक कोविड टेस्ट है।

कोविड मरीजोंकी दैनिक रिपोर्ट एकीकृत पोर्टल पर हर दिनअपलोड की जाए : योगी

लखनऊ। कोविड संक्रमण की स्थिति को देखते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार

बढ़ोतरी की जा रही है। मेडिकल एजुकेशन, स्वास्थ्य विभाग के साथ–साथ निजी अस्पतालों को भी कोविड मरीजों के उपचार के लिए क्रियाशील किया गया है। जरूरत बेड की संख्या बढ़ाने की है। हमें सभी जिलों में बेड्स की वर्तमान क्षमता को दोगुना करना होगा। चिकित्सा शिक्षा मंत्री स्तर से कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए। उक्त बातें यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। मुख्यमंत्री ने कोविड–१६ प्रबंधन हेतु गठित टीम– ६ के अफसरों के साथ बैठक में कहा कि कोविड मरीजों के संबंध में दैनिक रिपोर्ट एकीकृत पोर्टल पर हर दिन जरूर अपलोड की जाए। हर कोविड हस्पिटल प्रत्येक दिन में दो बार अपने यहां खाली बेड्स की संख्या के बारे में अस्पताल के बाहर सार्वजनिक रूप से जानकारी चस्पा करे। इसे आइसीसीसी के पोर्टल पर भी अपलोड कराया जाए। डिस्चार्ज पलिस को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

ड्रग्स मामले में दिलीप ताहिल के बेटे ध्रूव ताहलि गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस ने बॉलीवुड के मशहूर एक्टर दिलीप ताहिल के बेटे ध्रूव ताहलि को ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया गया है. ध्रुव पर ड्रग्स खरीदने और ड्रग्स की खरीद–फरोख्त में शामिल एक अन्य आरोपी मुजम्मलि अब्दुल

रहमान शेख को पैसे ट्रांसफर करने का आरोप है. दोनों के बीच ड्रग्स को लेकर हुई व्हाट्सऐप चौट से इस बात का खुलासा हुआ है. ड्रग्स मामले में पुलिस ने पहले मुजम्मिल अब्दुल रहमान शेख को अरेस्ट किया था. आरोपी मुजम्मिल के पास से ३५ ग्राम मेफड्रोन बरामद किया गया. मुजम्मिल का सेल फोन जब्त करने के बाद फोन में ध्रुव ताहिल के साथ ड्रग्स को लेकर बातचीत सामने आई है।

सलमान खान का बड़ा फैसला, तंकीम की कमाई से कोरोना संक्रमित मरीजों की करेंगे मदद

मुंबई। भारत में कोरोना की दूसरी लहर तेजी से बढ़ती जा रही है। इन सभी हालतों को देखते हुए बॉलीवुड के कई सेलेब्स आगे

आकर लोगों की मदद कर रहे हैं। बॉलीवुड मोस्ट वांटेड भाई' से होने वाली कमाई से कोरोना संक्रमित मरीजोंकी मदद करने का फैसला लिया है। प्रभुदेवा के निर्देशन में बनीं सलमान खघन (की फिल्म 'राधे योर मोस्ट वांटेड भाई' १३ मई को प्रदर्शित होने वाली है। भारत में कोरोना की दूसरी लहर तेजी से बढ़ती जा रही है। इन सभी हालतों को देखते हुए बॉलीवुड के कई सेलेब्स आगे आकर लोगों की मदद कर रहे हैं। सलमान खान भी कोरोना काल में पीड़ितों और फ्रंटलाइन वर्कर्स की मदद करते हुए आ रहे हैं। सलमान खान और जी एंटरटेनमेंट ने फैसला लिया है कि कोविड पीड़ितों की मदद करने के लिए वे ऑक्सीजन सिलेंडर्स, कन्सेंट्रेटर्स और वेंटिलेटर्स का दान करेंगे जिसमें फिल्म राधे से होने वाली कमाई का सबसे बड़ा योगदान होगा। गौरतलब है कि 'राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई में सलमान खान के साथ दिशा पटानी, रणदीप हुड्डा और जैकी श्रॉफ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म को सलमान खान फिल्म्स ने जी स्टूडियो के साथ मिलकर प्रस्तुत किया है।

मशहूर एक्ट्रेस अभिलाषा पाटिल का कोरोना से निधन

नई दिल्ली। कोरोना के कोहराम के बीच हिंदी और मराठी सिनेमा जगत से एक बुरी खबर है. कोरोना संक्रमण ने एक और कलाकार की सांसें छीन ली है। अब कोरोना संक्रमण से 'छिछोरे' फेम अभिलाषा पाटिल का निधन हो गया है. अभिलाषा कुछ समय पहले ही शूटिंग के लिए वाराणासी रवाना हुई थीं. वहां से आने के बाद उन्हें बुखार हुआ और वह कोरोना संक्रमित हो गईं. हालत ज्यादा बिगड़ने के बाद ४७ साल की अभिलाषा ने ५ मई को अंतिम सांस ली. अभिलाषा का एक बेटा है. उनके निधन की खबर आने के बाद बॉलीवुड में शोक छाया हुआ है.असिस्टेंट डायरेक्टर परेश पटेल ने सोशल मीडिया पर अभिलाषा पाटिल संग फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि, मुझे यकीन करना मुश्किल हो रहा है कि यह हमारी साथ में आखिरी फोटो थी. आपकी आत्मा को शांति मिले, आप बहुत याद आएंगी. अभिलाषा पाटिल मैम. अभिलाषा मराठी फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस में गिनी जाती थीं. इसके अलावा बॉलीवुड की कई फिल्मों में भी अभिलाषा ने काम किया हैं. इनमें 'छिछोरे', गुड न्यूज और बद्रीनाथ की दुल्हनिया समेत कई फिल्में शामिल हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रीपदा

का कोरोना से निधनवहीं दूसरी ओर बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्मों की जानी–मानी एक्ट्रेस श्रीपदा का भी कोरोना संक्रमण से निधन हो गया है. श्रीपदा पिछले कई दिनों से कोरोना संक्रमित थीं. तबीयत ज्यादा बिगड़ जाने से ५ मई को उन्होंने आखिरी सांस ली. वहीं कोरोना संक्रमण के चलते फिल्म एडिटर अजय शर्मा का निधन हो गया. अजय पिछले कई दिनों से कोरोना संक्रमित थे, कोरोना से संक्रमित होने के बाद उन्हें हस्पिटल में भर्ती कराया गया था. लेकिन उनका स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ने से ऑक्सीजन लेवल ८३ तक पहुंच गया था. आखिरकार ४ मई को उनका निधन हो गया.

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178
Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक